केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 101 शनिवार 1 नवम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

खतौनी और वरासत को लेकर नई व्यवस्था लागू

लखनऊ (आभा)। खतौनी और वरासत को लेकर यूपी की योगी सरकार ने आम लोगों को बड़ी राहत दी है। राजस्व परिषद ने खतौनी में अंश निर्धारण के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अंश निर्धारण के लिए पहले ग्रामवार व्यवस्था लागू थी, लेकिन इसके चलते वरासत का काम रुक जाता था। इसीलिए अब गाटावार अंश निर्धारण की व्यवस्था लागू की गई है। राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने इस संबंध में

विस्तृत निर्देश जिलाधिकारियों को भेज दिए हैं।

इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा–31 (2) के अनुरूप प्रदेश के सभी राजस्व गांवों की खतौनियों में खातेदारों सह–खातेदारों के गाटों में अंश निर्धारण का काम करने का निर्देश पूर्व में दिया गया था। भूलेख पोर्टल के मुताबिक प्रदेश के 1,06,666 गांवों के 7.62 करोड़ गाटों में 6.56 करोड़ में अंश निर्धारण काम पूरा हो चुका है। अभी 1.06 करोड़ गाटों में अंश निर्धारण का काम शेष बचा हुआ है। पूर्व व्यवस्था के अनुसार प्रदेश के किसी राजस्व गांव में जब गाटों में अंश निर्धारण के समय पूरे राजस्व गांव काम रोक दिया जाता है, जिससे अन्य किसी गाटे में वरासत, नामांतरण आदि जैसे काम प्रभावित हो जाते हैं। इसके चलते अंश निर्धारण की प्रक्रिया में आंशिक बदलाव किया गया है।

राजस्व परिषद के आदेश के मुताबिक गांववार लाकिंग के स्थान पर अब इसे गाटावार किया जाएगा, जिससे प्रदेश के किसी राजस्व गांव के अन्य गाटे खुले रहेंगे और काम प्रभावित नहीं होगा।

डीएम कृत्तिका ने दिलाया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्सना ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रृद्धासुमन अर्पित किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को राष्ट्रीय एकता दिवस का संकल्प दिलाया । अनेक अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

रन फॉर यूनिटी के लिये लगायी दौड़

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती।शुक्रवार को 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर बस्ती में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री एवं पूर्व एमएलसी विनोद पाण्डेय ने अमहट घाट स्थित सरदार पटेल पार्क से किया। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शास्त्री चौक के लिए रवाना किया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र की अध्यक्षता रही। कार्यक्रम का संयोजन राजकुमार शुक्ल ने किया।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बताया कि बस्ती जनपद की सभी पांच विधानसभाओं में 8 से 10 किमी की पदयात्रा की तैयारी पूरी कर ली गई है।

इस अवसर पर संजय चौधरी, विधायक अजय सिंह, पवन कसौधन, गोपेश्वर त्रिपाठी, सुशील सिंह, दयाराम चौधरी, संजय प्रताप जायसवाल, यशकांत सिंह, राकेश श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, अनिल दुबे, भानु प्रकाश मिश्र, आशा सिंह, प्रत्युष सिंह, वैभव पाण्डेय, गिल्लम चौधरी, दिवाकर मिश्र, अभिषेक कुमार, दुष्यंत सिंह, दिलीप पाण्डेय, अखण्ड सिंह, सतेन्द्र सिंह भोलू, अंकुर वर्मा, गजेन्द्र मणि त्रिपाठी, अमृत कुमार वर्मा, अभिनव उपाध्याय, सुरेन्द्र सिंह, विनय यादव, अमरेश पाण्डेय, रोली सिंह, पप्पू शुक्ल, अलोक पाण्डेय, धर्मेन्द्र जायसवाल, शालिनी मिश्र, मनोज सिंह, ममता सिंह, शिवानी सिंह, गौरव अग्रवाल, पिन्टू सोनकर, गौरव मणि त्रिपाठी, रामानन्द नन्हे, अमित गुप्ता, अरविन्द श्रीवास्तव, वेदप्रकाश त्रिपाठी, दिलीप भट्ट, सतीश सोनकर, दिव्यांशु दुबे सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती पर वृद्धा आश्रम में फल और कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती अवसर पर आजाद समाज पार्टी द्वारा महादेवा विधानसभा अध्यक्ष रंजीत आजाद के संयोजन में वृद्धा आश्रम बनकटा में फल और कम्बल वितरण किया । कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान सदैव याद किया जायेगा। नयी पीढी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिये। जिला प्रभारी नासिर अली ने कहा कि सरदार पटेल ने रजवाडों को एक सूत्र में जोड़कर भारत का भूगोल सशक्त किया।

वृद्धा आश्रम बनकटा में फल और कम्बल वितरण के दौरान रामानुज चौधरी, जगजीवन राम, सीताराम, दिनेश कुमार आजाद, सनी राव, पिंटू, रुपेश, कुलदीप कुमार, अमरेंद्र राठौर, सचिन प्रताप आदि ने योगदान दिया।

स्कूल में मनाई गई सरदार पटेल की जयंती, रन फॉर यूनिटी में दौड़े छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को सदर ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बक्सर में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक बक्सर के प्रबंधक सोमनाथ और विशिष्ट अतिथि ब्लॉक के एआरपी प्रदीप गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को रवाना किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि रन फॉर यूनिटी के माध्यम से भारत के प्रत्येक नागरिक के मध्य संदेश जाना चाहिए कि हम भारत की एकता और अखंडता के लिए एक हैं। विशिष्ट अतिथि प्रदीप गुप्ता ने कहा कि जिन परिस्थितियों में सरदार पटेल ने छोटी–छोटी

रियासतों को मिलाकर एक विशाल भारत का निर्माण किया इसको कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में बच्चों को भारत की एकता और अखंडता की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान बक्सर महताब आलम, राजीव शरण, मो. याकूब सिद्दीकी, परवीन खातून, मीना कुमारी, नूरजहां, नजमीन, अमीर फातिमा, आफरीन, इशरत अल्ताफ, आवेश राजा, आर्य कृष्ण, कमल, सिद्धार्थ, दिव्यांश आदि उपस्थित रहे।

बसपा के कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक बड़े बन के निकट स्थित पदमा होटल के सभागार में में जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बूथ स्तर पूरा कर सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया गया।

समीक्षा बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मुख्य मण्डल प्रभारी इन्दलराम ने कहा कि आगामी 2027 का चुनाव बसपा बहन मायावती के नेतृत्व में पूरी मजबूती से लड़ेगी। इसके लिये संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत किया जा रहा है। कहा कि बसपा सर्व समाज को साथ लेकर

आगे बढ रही है। विशिष्ट अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआर को देखते हुये कार्यकर्ता बूथ स्तर पर उसमें सहयोग करें और किसी पात्र का नाम छूटने न पाये। सीताराम शास्त्री, वीरेन्द्र कुमार चौहान, बनवारीलाल कन्नौजिया, सुरेश चौहान, राम सागर, प्रमोद कुमार, रंजीत कुमार, रामकरन गौतम, आदि ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने उपस्थित नेताओं, कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि बैठक में जो महत्वपूर्ण सुझाव आये हैं उसका जमीनी धरातल पर तेजी के साथ क्रियान्वयन कराया जा रहा है। बसपा के समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से मुस्लिम भाई चारा कमेटी के मण्डल प्रभारी राम सूरत चौधरी, राजेश राव, कल्पनाथ बाबू, ण्देशराज, प्रदीप कुमार गौतम, जुगुल किशोर चौधरी, आशुतोष सिंह, दीपक कुमार, अलीम अहमद, रामलला गौड़, एडवाकेट विक्रम गौतम, रामशंकर निराला, विनय कुमार, आदित्य राना, अनिल आजाद, कृपाशंकर, के.पी. राठौर, व्रिजेश राव, शिवम आजाद, संजय मौर्य, राजीव राव, ई. राजेश प्रताप सिंह, जयहिन्द गौतम, साधूशरण, अश्विनी राज, शिवगणेश, रविन्द्र 'राना' अभिषेक, राजेन्द्र प्रसाद गौतम, रामशंकर आजाद, के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर पद यात्रा निकाल कर दिया एकता का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–बस्ती। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को हर्रैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में भव्य पद यात्रा निकालकर एकता का संदेश दिया गया। यह पदयात्रा हर्रैया विधानसभा के झिल्ला चौराहा रजवापुर से प्रारंभ होकर चेफवा, मेढ़ाए, फरेंदा होते हुए सरदार पटेल चौक खम्हरिया चौराहे पर सम्पन्न हुई। पूरा क्षेत्र 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के नारों से गूंज उठा। देशभक्ति के गीतों और तिरंगे झंडों के साथ पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का जोश देखने लायक था। पदयात्रा का समापन एकता और सद्भाव के संदेश के साथ हुआ। यात्रा के उपरांत सरदार पटेल चौक खाम्हरिया चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन देश की एकता, अखंडता और समरसता का प्रतीक है। हमें उनके

–सरदार पटेल का जीवन देश की एकता, अखण्डता को समर्पित था – अजय सिंह

आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कहा कि उनके अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र समर्पण की भावना के कारण ही आज भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में खड़ा है। सरदार पटेल का सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और अखंडता को समर्पित था। उन्होंने 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया। ऐसे महापुरुष के योगदान को नमन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2014 से उनकी जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, जो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

इस पदयात्रा में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत कृष्ण कुमार सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि परसरामपुर श्रीश पाण्डेय, अनन्त कृष्ण पाण्डेय, श्रवण तिवारी, राजदत्त शुक्ला, शिवकेसरी वर्मा, पटवारी चौधरी, सरोज मिश्र बाबा, संतोष सिंह, संजय सिंह, वीरू, राम ललित, विनोद गुप्ता, शोभा वर्मा, सोनू पाण्डेय, अरविन्द सिंह, विपनेश पाण्डेय, राम भवन वर्मा, प्रवीण निषाद, ओमप्रकाश चौहान, अमरपाल चौधरी, योगेन्द्र पटेल, तिलकराम चौधरी, भरत लाल पटेल, अशोक वर्मा, संतराम वर्मा, राम चन्द्र निषाद, कन्हैया वर्मा, राजकिशोर वर्मा, कृष्ण कुमार वर्मा, गोविन्द चौधरी, अखिलेश पाण्डेय, जय प्रकाश वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जयन्ती पर समाजवादियों ने किया सरदार बल्लभ भाई पटेल को नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने पटेल जी के जीवन वृत्त, योगदान पर प्रकाश डाला। सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की 562 रियासतों का विलय करके अखंड भारत के निर्माण के लिए जो योगदान दिया उसके लिये उन्हें सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक अतुल चौधरी कविन्द्र, राजेन्द्र चौधरी, दयाशंकर मिश्र, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, आर.डी. निषाद, विपिन त्रिपाठी, महेश चौधरी, पंकज निषाद आदि ने कहा कि 1947 में भारत को आजादी तो मिली लेकिन बिखरी हुई। देश में कुल 562 रियासतें थीं। अपनी

–सदैव याद किये जायेंगे सरदार बल्लभ भाई पटेल–महेन्द्रनाथ यादव

कूटनीतिक क्षमता के बल पर पटेल ने इन्हें भारत में मिला लिया। इनमें जूनागढ़ रियासत के नवाब ने 1947 में पाकिस्तान के साथ जाने का फैसला किया था। वक्ताओं ने पटेल जी को नमन् करते हुये कहा कि आजकल जिस उम्र में बच्चे गेजुएट हो जाते हैं उस उम्र में सरदार बल्लभ भाई पटेल ने 10वीं की परीक्षा पास की थी। उनकी शिक्षा में सबसे ज्यादा रोड़े परिवार की आर्थिक तंगी ने अटकाए। इसके बावजूद उन्होंने जिलाधिकारी की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। रामशंकर निराला, अखिलेश यादव, जितेन्द्र यादव ने कहा कि सरदार पटेल वकालत पढ़ने के लिए इंग्लैंड गए वह भी 36 साल की उम्र में। शुरुआत में देर से पढ़ाई शुरू करने वाले सरदार पटेल ने 36 महीने के वकालत के कोर्स को महज 30 महीने में ही पूरा कर दिया। वे देश के महान नेता थे।

पटेल जी को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, गीता भारती, गुलाब सोनकर, युनुस ालम, प्रशान्त यादव, रामाशीष वर्मा, शंकर यादव, रन बहादुर यादव, तूफानी यादव, संजय कुमार गौतम, राज मोहन सिंह 'राजू' भागीरथी पटेल, सुमित पटेल, गौरीशंकर, प्रिया श्रीवास्तव, दिवाकर चौधरी, वीरेन्द्र चौधरी, हरीश, सावित्री सिंह, राधा देवी के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि शामिल रहे।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने किया लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के 150 वीं जयन्ती पर शुक्रवार को सरदार पटेल स्मारक संस्थान परिसर में सांसद राम प्रसाद चौधरी ने पटेल जी की प्रतिमा का लोकापर्ण किया। इसके बाद छत्रपति साहू जी सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये पूर्व कैबिनेट मंत्री सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि किसान के बेटे के रूप में पटेल जी ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अपनी सुविधा की जगह देश के हितों को महत्व दिया। ऐसे महापुरूष विरले होते हैं जो संकट में बहादुरी का परिचय देते हुये विजेता बनकर उभरे। उन्होने 562 रियासतों को एकता के सूत्र में बांध कर भारत के स्वरूप को सशक्त बनाया। कहा कि देश को आजाद कराने से लेकर गृह मंत्री के रूप में देश के निर्माण में उनके योगदान से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिये।

गोष्ठी को जिला पंचायत

–सदैव याद किये जायेंगे सरदार बल्लभ भाई पटेलः गोष्ठी में योगदान पर विमर्श

अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' पूर्व विधायक रामललित चौधरी, दयाराम चौधरी, बसन्त चौधरी आदि ने पटेल जी से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि पटेल का योगदान सदैव याद किया जायेगा। कार्यकम की अध्यक्षता करते हुये चौधरी धर्मदेव पटेल ने कहा कि सरदार पटेल ऐसे लौह पुरूष है जिन्होने अनगिनत रियासतों को भारत से जोड़कर देश के भूगोल को समृद्ध किया। संस्थान के अध्यक्ष डा. आर. पी. वर्मा, महामंत्री डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि पटेल जी का समग्र जीवन देश को समर्पित रहा, नई पीढी को उनके योगदान से प्रेरणा लेते हुये आगे बढना होगा।

संगोष्ठी को रजनीश पटेल, तिलकराम चौधरी, शीतला पटेल, अजय कुमार वर्मा, ई. श्यामलाल चौधरी, प्रेम चन्द पटेल आदि ने सरदार पटेल जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। संचालन डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने किया। इस अवसर पर सरदार पटेल स्मारक संस्थान की ओर से एम.बी.बी.एस. में चयनित आदर्श बाबू पटेल, सीडीएस में चयनित शैलेष कुमार चौधरी को प्रतिभा सम्मान और हाई स्कूल की परीक्षा में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले परनेश चौधरी, धनंजय चौधरी, पजनीश चौधरी, रीतेश चौधरी, सौरभ चौधरी को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

कार्यकम में मुख्य रूप से राजमणि चौधरी, वीरेन्द्र चौधरी, परमहंस चौधरी, राज बहादुर चौधरी, राम सुरेश वर्मा, सुधीर चौधरी, हरिशंकर चौधरी, ई. शैलेष चौधरी, ई. अमित चौधरी, डा. वी.के. वर्मा, डा. आलोक रंजन, डा.प्रमोद चौधरी, डा. राजेश पटेल, डा. रंजीत पटेल, राहुल चौधरी, अमित चौधरी, राघवेन्द्र प्रताप चौधरी, रामजी चौधरी, राजेश निराला, विद्या सागर राम कमल, आलोक सिंह पटेल, प्रभाकर पटेल, सत्यराम चौधरी, अवनि कुमार पटेल, विमलेश चौधरी, अमर पटेल, अनिल चौधरी, कमलेश कुमार चौधरी, राम कृपाल चौधरी, सुजीत चौधरी, रोहित चौधरी, डा. श्यामनरायन, वीरेन्द्र चौधरी, माधव वर्मा, राम अधार, अरविन्द चौधरी, ई. राजेन्द्र प्रसाद, गौरव पटेल, पवन चौधरी, गिरिजाशंकर, डब्लू चौधरी, मुकेश चौधरी, दीपू चौधरी, भूपेन्द्र चौधरी, ई. विक्रम चौधरी, भानु प्रताप चौधरी, मनोज चौधरी, नित्यराम चौधरी, सुभाष चौधरी, अमरेन्द्र चौधरी, बब्लू पटेल, राकेश कुमार वर्मा, पवन चौधरी, जनेश्वर चौधरी, जीतेन्द्र कुमार चौधरी, राकेश कुमार चौधरी,, संजय कुमार चौधरी, महेन्द्र कुमार चौधरी, रामनाथ चौधरी के साथ ही सरदार पटेल स्मारक संस्थान के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल रहे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती पर सरदार सेना ने निकाली भव्य संदेश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। शुक्रवार को सरदार सेना द्वारा बड़े बन के निकट स्थित पदमा होटल से विशाल सरदार पटेल संदेश यात्रा निकाली गई। यात्रा फौव्वारा चौराहा पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद रोडवेज स्थित पं. जवाहर लाल नेहरू प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद नगर पालिका के परिसर में स्थित बाबा साहब प्रतिमा तक पहुंची यहां से माल्यार्पण के बाद गांधीनगर होते हुये लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कुंआनो तट के निकट स्थित पटेल जी की प्रतिमा के समक्ष पहुंची। यहां माल्यार्पण के बाद आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यकम में भारतीय कुर्मी महासभा पटेल जयन्ती परिचायिका का अतिथियों ने लोकार्पण किया। महादेवा विधायक दूधराम ने

-सरदार पटेल से प्रेरणा ले युवा पीढी-दूधराम
-युगों तक याद किये जायेंगे सरदार पटेल-बृजेश पटेल

हरी झण्डी दिखाकर बड़े बन से यात्रा को रवाना किया और सरदार सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी बृजेश पटेल के साथ रथ पर सवार हुये। बूंदाबादी, बरसात के बीच लोगों का उत्साह देखने लायक था। मार्ग में सरदार बल्लभ भाई पटेल अमर रहे के नारे लगते रहे।

कार्यकम संयोजक चौधरी बृजेश पटेल ने कहा कि देश को आजाद कराने से लेकर गृह मंत्री के रूप में देश के निर्माण में उनके योगदान से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिये, वे महान नेता थे। किसान के बेटे के रूप में उन्होने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अपनी सुविधा की जगह देश के हितों की चिन्ता किया। ऐसे महापुरूष विरले होते हैं जो संकट में बहादुरी का परिचय देते हुये विजेता बनकर उभरे। उन्होने 562 रियासतों को एकता के सूत्र में बांध कर भारत के स्वरूप को सशक्त बनाया। विधायक दूधराम ने कहा कि युवा पीढी को सरदार बल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिये।

सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष आकाश पटेल, जिला संरक्षक सुरेन्द्र कुमार चौधरी 'राजा भैया' ने सरदार बल्लभ भाई पटेल जी से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि पटेल का योगदान सदैव याद किया जायेगा। सरदार पटेल ऐसे लौह पुरूष है जिन्होने अनगिनत रियासतों को भारत से जोड़कर देश के भूगोल को समृद्ध किया। पटेल जी का समग्र जीवन देश को समर्पित रहा, नई पीढी को उनके योगदान से प्रेरणा लेते हुये आगे बढना होगा।

कार्यक्रम में प्रभाकर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौधरी 'शाका', राजेश पटेल, अनिरुद्ध चौधरी,शिवा गोस्वामी, अशोक चौधरी, पुष्कर पटेल, राजेश चौधरी, अभिषेक चौधरी, प्रदीप चौधरी 'राना', अमरजीत चौधरी, उमेश चौधरी, सर्वेश चौधरी, अनिल चौधरी, संदीप निषाद, रवि प्रकाश चौधरी, अनिल पटेल, विशाल चौधरी, शिव प्रताप वर्मा, राम लाल चौधरी, डीके, अरुण चौधरी, अभय पटेल, दूधनाथ पटेल, सुधाकर पटेल, अनिल चौधरी देवरिया माफी, राहुल चौधरी, राजा चौधरी, सूर्य चौधरी, राज चौधरी, अनूप चौधरी, हिमांशु मनोज चौधरी, धीरेंद्र शर्मा, अमित चौधरी, सूरज चौधरी, सोनू चौधरी, अखिलेश प्रजापति, राहुल चौधरी, दुर्गेश चौधरी, दिनेश गौतम, जयन्त पटेल, पंकज, विजय, राहुल निषद, दिनेश चौधरी, रामभरत वर्मा, विवेक चौधरी, गिरिजाशंकर गोड़, यशवन्त सिंह, सुधाकर वर्मा, हेमन्त चौधरी, प्रमोद चौधरी, संजीत चौधरी, सन्तोष, अंकुर पटेल, गोलू पटेल के साथ ही बड़ी संख्य में सरदार सेना और विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक संगठनों के लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 नवम्बर 2025 शनिवार

सम्पादकीय

साइबर ठगी रोकने की पहल

मोबाइल फोन और इंटरनेट की आसान पहुंच का बढ़ता दायरा सुविधाजनक तो है, लेकिन इससे कई तरह के जोखिम भी हैं। साइबर धोखाधड़ी इनमें से एक है, जो हाल के वर्षों में आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सुरक्षा एजंसियों को भी ऐसे अपराधियों का पता लगाने और उनकी धर–पकड़ के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

मोबाइल उपभोक्ताओं को साइबर जालसाजों की ओर से आए दिन अनजान नंबरों से फोन आना आम बात हो गई है और जो लोग उनके झांसे में आ जाते हैं, वे लाखों–करोड़ों रुपए गंवा बैठते हैं। मगर अब इस तरह के फोन की पहचान करना आसान होगा। दूरसंचार विभाग जल्द ही आम उपभोक्ताओं को मोबाइल पर ऐसी सुविधा प्रदान करेगा, जिससे फोन करने वाले व्यक्ति का नाम भी प्रदर्शित होगा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

हालांकि, मोबाइल पर फोन करने वाले व्यक्ति के नाम का पता लगाने के लिए कुछ ऐप आनलाइन उपलब्ध हैं और चुनिंदा लोग उनका इस्तेमाल भी करते हैं। मगर, नाम प्रदर्शित करने की इनकी सटीकता और इस्तेमाल को लेकर लोगों में भ्रम बना रहता है। ऐसे में दूरसंचार विभाग और ट्राई ने जो कदम उठाया है, वह सभी मोबाइल धारकों के हित में है।

दरअसल, ट्राई ने फरवरी, 2024 में फोन करने वाले का नाम प्रदर्शित करने से जुड़ी इस सेवा पर अपनी सिफारिशों में कहा था कि यह केवल मांग करने वाले उपभोक्ताओं को ही मुहैया कराई जाए। जबकि दूरसंचार विभाग का कहना था कि यह सुविधा सभी मोबाइल उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। ट्राई ने अब विभाग के इस प्रस्ताव पर सहमति जता दी है और इस पर परीक्षण भी शुरू कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग ने उम्मीद जताई है कि यह सुविधा देशभर में मार्च, 2026 तक लागू हो जाएगी। खास बात यह कि अब मोबाइल फोन में ही यह सुविधा मौजूद रहेगी।

दूरसंचार विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से साइबर धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। जब किसी मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आएगा, तो स्क्रीन पर उसका नाम भी दिखाई देगा। इससे उपयोगकर्ता सतर्क हो जाएगा और वह साइबर ठगों के जाल में फंसने से बच जाएगा। यह कदम इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि देश में साइबर अपराध का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की ओर से हाल में जारी एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2022 में साइबर अपराध के 65,983 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2023 में इनकी संख्या बढ़ कर 86,420 हो गई। इस तरह की धोखाधड़ी के उभरते परिदृश्य से पता चलता है कि साइबर जालसाज ठगी के लिए अलग–अलग तरीके अपनाते हैं। दूरसंचार विभाग मोबाइल में जो सुविधा प्रदान करेगा, उसमें फोन करने वाले का वही नाम प्रदर्शित होगा, जो नंबर खरीदते समय उसने अपने दस्तावेज में दर्ज कराया होगा। हालांकि, साइबर धोखाधड़ी के कुछ मामलों की जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि संबंधित अपराधी ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर मोबाइल नंबर हासिल किया था। ऐसे में सुरक्षा एजंसियों और प्रशासनिक निकायों को इस तरह के मामलों से निपटने के लिए भी ठोस कदम उठाने होंगे।

जानलेवा होता प्रदूषण

केंद्र और राज्य सरकारें वायु प्रदूषण की गंभीर होती समस्या का समाधान कर पाने में किस तरह विफल हैं, इसका पता दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने के असफल प्रयासों से चलता है। समझना कठिन है कि जब यह हर तरह से सिद्ध हो चुका है कि कृत्रिम बारिश वायु प्रदूषण से पार पाने का प्रभावी उपाय नहीं, तब फिर इसकी कोशिश ही क्यों की गई? कृत्रिम बारिश कराने के प्रयोग का इसलिए कोई मतलब नहीं था, क्योंकि यदि वह सफल भी हो जाता तो भी वायु प्रदूषण से स्थायी राहत नहीं मिलनी थी।

एक लंबे समय से यह देखने को मिल रहा है कि वायु प्रदूषण से निपटने के जतन तब किए जाते हैं, जब वह सिर उठा लेता है। ऐसा यह जानते हुए भी किया जाता है कि प्रदूषण का निवारण रातोंरात नहीं किया जा सकता। इससे यही पता चलता है कि सरकारें और उनकी प्रदूषण रोधी एजेंसियां सर्दियों के आगमन के साथ जहरीली होती हवा को लेकर तनिक भी गंभीर नहीं और वे एक बड़े संकट के समाधान का दिखावा भर करती हैं।

विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप भी प्रदूषण से निपटने में सहायक नहीं बन पा रहा है। कुल मिलाकर देखें तो हर कोई नाकाम है। वर्ष दर वर्ष गंभीर होता वायु प्रदूषण राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के साथ शासन तंत्र की सामूहिक विफलता की कहानी इसलिए बयान करता है, क्योंकि औसत जनता इस संकट से बेपरवाह दिखती है। यह तब है, जब वायु प्रदूषण आम आदमी की सेहत के लिए एक बड़े संकट के रूप में उभर आया है।

यदि आम जनता वायु प्रदूषण को अपने जीवन के लिए आफत मानकर नेताओं को जवाबदेह बनाने के लिए सक्रिय नहीं होती तो शासन–प्रशासन के स्तर पर वैसी ही ढिलाई बरती जाती रहेगी, जैसी दशकों से बरती जा रही है। शर्मनाक यह है कि यह ढिलाई इसके बाद भी बरती जा रही है कि वायु प्रदूषण देश की बदनामी का भी कारण बन रहा है।

बिहार चुनाव और पड़ोसी नेपाल

पुष्परंजन

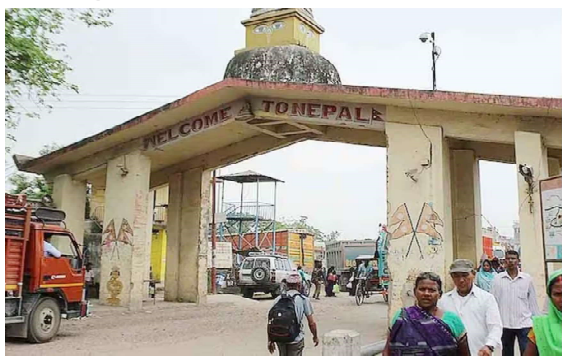

सात सीमावर्ती जिले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल–मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 जिले हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल में चलती रहती है। नेपाल के मेट्रो शहर वीरगंज में प्रोफेसर भाग्यनाथ प्रसाद गुप्ता मधेस राजनीति की सुपरिचित शख्सियत में से हैं। फोन पर पूछा, कि आम नेपाली किस नुक्ते–नजर से बिहार चुनाव को देखता है? जवाब, एक नेपाली कहावत के रूप में पेश था– 'अन्धो गाई र लंगडो गोरु' अर्थात, श्अंधी गाय और लंगड़ा बैलश। ऐसी कहावत का उपयोग तब किया जाता है, जब दो असमर्थ लोग मिलकर एक दूसरे की मदद करते हैं। इस कहावत के बहुआयामी निहितार्थ हैं। संसाधनों के मामलों में नेपाल सम्पूर्ण नहीं है। जहां उसे बिहार से मदद चाहिये, मिलती है। और जब सीमा पार बिहार में मुश्किलें होती हैं, नेपाल की जनता और व्यापारी, सेवाभाव से प्रस्तुत होते हैं।

1751 किलोमीटर लंबी भारतीय सीमा नेपाल से लगती है। इनमें भारत के पांच राज्यों की सीमाएं रू बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम बाड़बंदी के बगैर हैं। सबसे लंबी सीमा बिहार की 756 किलोमीटर, और सबसे छोटी सीमा सिक्किम की मात्र 99 किलोमीटर है। बिहार के सात सीमावर्ती जिले– पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज हैं। नेपाल के हवाले से बहुत पुरानी कहावत इस्तेमाल होती रही, 'बेटी–रोटी का सम्बन्ध।' लेकिन, अब उसकी व्याख्या व्यापक है। बेटी–रोटी का सम्बन्ध केवल वोट बैंक तक महदूद नहीं है, विभिन्न दलों के जो प्रत्याशी खड़े होते हैं, उनके चुनावी खर्च का एक बड़ा हिस्सा नेपाल के उद्योग–व्यापार वाले वहन करते हैं। वैसे 21 विधानसभा क्षेत्र हैं, जो बिलकुल बॉर्डर लाइन पर हैं। दरअसल, बेटी–रोटी का कॉन्सेप्ट इन्हीं वजहों से शुरू होता है। लगभग हर तीसरे–चौथे परिवार की रिश्तेदारी नेपाल में दिखाई देती है। चुनांचे, जब नेपाल में चुनाव होता है, भारत वाले दोस्त, रिश्तेदार एक्टिव हो जाते हैं, उसी तरह जब भारत के इन पांच राज्यों में चुनाव होता है, नेपाल का सरोकार सामने आ जाता है। लेकिन, चुनावी दायरा 21 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। ऐसे सात सीमावर्ती जिले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल–मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 जिले हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल में चलती रहती है।

दूसरा, मुस्लिम फैक्टर भी है, लगभग 80 फीसद मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में है, शेष 20 प्रतिशत मुसलमान मुख्यतः काठमांडू, गोरखा और पश्चिम नेपाल की पहाड़ियों तक सीमित हैं। लेकिन, जो बॉर्डर लाइन के नेपाली मुसलमान हैं, बताना अब जरूरी नहीं रह गया, कि बिहार में होने वाले चुनाव में वो किसकी जीत के ख्वाहिशमंद हैं। आप देख सकते हैं, चम्पारण के ढाका तथा सीमांचल के चार जिले पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज वाले अल्पसंख्यकों का राब्ता, नेपाल में एक्टिव मुसलमानों से रहता है।

बिहार–नेपाल व्यापार के लिए बारा, पर्सा, महोत्तरी, मोरंग, धनुषा, सर्लाही, रौतहट, सुनसरी और झापा जिलों से जुड़े 10 ट्रांजिट पॉइंट शामिल हैं। मुख्य व्यापार में कृषि उत्पाद, दूध प्रसंस्करण, नॉन–वोवन बैग निर्माण, पशुधन के लिए खनिज और विटामिन मिश्रण वाला उत्पादन, औषधि, पेट्रोलियम, लिथियम आयन सौर बैटरी, कॉस्मेटिक्स से लेकर कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामान तक शामिल हैं। लेकिन अब इसमें नया तड़का लगा है, शराब और शबाब का, जिसने एक नई किस्म की कनेक्टिविटी दोनों देशों में पैदा की है।

वर्ष 2016 में बिहार में शराबबंदी होने के बाद से, नेपाल के सीमावर्ती शहरों में अल्कोहल इंडस्ट्री और उसका खुदरा कारोबार जबरदस्त रूप से रफ्तार पकड़ने लगा है। नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में होटल और रेस्टोरेंट भारतीय विजिटर्स की वजह से गुलजार हैं। बॉर्डर पार करके शराब पीने का शगल कुछ नया नहीं था। लेकिन इन दिनों आप बीरगंज से लेकर बिराटनगर, इटहरी और राजबिराज जैसे शहरों को जाकर देख आइये, चुनाव के समय शराब की मांग डबल हो गई है।

नौ वर्षों में नेपाल, बिहार वालों के लिए 'लीकर डेस्टिनेशन' बन चुका है। अब चूंकि, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, उनके समर्थकों को 'अतिरिक्त ऊर्जा' चाहिए, तो नेपाली शहरों में शराब का धंधा और तेज हुआ है, विदेशों से शराब का आयात 12 फीसद बढ़ गया। नेपाल की शराब लॉबी चाहती है, कि बिहार में वैसी सरकार रहे, जो मद्यनिषेध जारी रखना चाहती हो। शराबबंदी से पहले बिहार में 3,142 करोड़ की सालाना आमदनी केवल शराब के ठेकों से सरकार को होती थी। अब आप मानकर चलें, विगत नौ वर्षों में लगभग 30 हजार करोड़ का राजस्व नेपाल सरक गया, मगर बिहार में शराबबंदी कामयाब नहीं हुई।

बिराटनगर के व्यापारी बताते हैं, 'बिहार सरकार द्वारा शराब पर बैन लगाने के बाद शराब की खपत बढ़ गई है। पहले हर दिन करीब सौ–डेढ़ सौ भारतीय शराब पीने के लिए हमारे इलाके में आते थे, अब यह संख्या अचानक से डबल हो गई। रेस्टोरेंट के अलावा, होटलों को भी फायदा हुआ है, क्योंकि कुछ भारतीय रात भर रुकते हैं। वे शराब पीकर बॉर्डर पार बिहार नहीं जा सकते।'

एक स्थानीय बिजनेसमैन बताते हैं, 'अमीर भारतीय महंगे होटलों में रुकते हैं, जबकि कम आय वाले लोग सस्ते होटलों में जाते हैं।' कोसी बैराज, कुनौली बाजार और सखाड़ा जैसे इलाकों में शराब ढूंढ रहे भारतीयों की भारी भीड़ देखी जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, पटना, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जैसे बिहार के बड़े शहरों से भी लोग राजबिराज, बीरगंज और नेपाल के दूसरे सीमावर्ती शहरों में आते हैं। चुनाव के समय पेटी भर–भर के बिहार में शराब की होम डिलीवरी हो रही है।

'पीपुल टू पीपुल कनेक्टिविटी' का दूसरा उदाहरण बिहार में कुकुरमुत्ते की तरह उग आई ऑर्केस्ट्रा पार्टी है। उनमें ठुमके लगाने वाली अधिकांश बालाएं नेपाल से मंगाई जाती हैं। सामाजिक–धार्मिक उत्सव हो, अथवा चुनाव, नेपाल से आई 'भोजपुरी डांस कलाकार' नेताओं के प्रचार और मनोरंजन के काम आ रही हैं। नेपाली डांसर बताती हैं, 'हमें राजनीतिक कार्यकर्ताओं के मनोरंजन के लिए जाना पड़ता है।' बिहार की राजनीति में रौनक लाने के वास्ते अश्विनी शाही, बन्दना नेपाल जैसी भोजपुरी डांसरों की मांग बढ़ गई है। मीडिया वाले भोजपुरी गानों और डांस में अश्लीलता पर सवाल पूछते हैं, नेता मुंह घुमा लेते हैं, अथवा सवाल इग्नोर कर देते हैं। किसी भी पार्टी के एजेंडे में अश्लीलता पर रोक का प्रण नहीं पाइयेगा। बिहार में यदि सचमुच गरीबी और बेरोजगारी है, तो ये सब धंधा चल कैसे रहा है?– लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सरदार पटेल के पद चिन्हों पर आनन्द मिश्र

–मनोज सिंह–

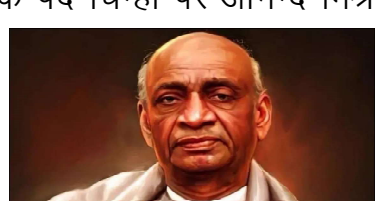

देश का प्रबुद्ध वर्ग और युवा मतदाता आज भी सरदार पटेल सरीखे नेताओं को पसंद करता है किंतु वही समाज में बहुत से ऐसे लोग भी हैं जिनकी स्वार्थ सिद्धि अगर किसी अपराधी प्रवृत्ति के नेता से हो जाती है तो वह स्वार्थ में अपना जमीर बेचकर दागी नेताओं का भी गुणगान करते हैं ।

देश 31 अक्टूबर 25 को स्वर्गीय सरदार पटेल जी की 150वीं जयंती मना रहा है सरदार पटेल जी को भले ही प्रधानमंत्री की कुर्सी नहीं मिला लेकिन देश के लिए उन्होंने जो भी कड़े फैसले लिए उसी का परिणाम है देश के लोग आदर से लौह पुरुष के नाम से सम्बोधित किए जाते हैं

देश का प्रबुद्ध वर्ग और युवा मतदाता आज भी सरदार पटेल सरीखे नेताओं को पसंद करता है किंतु वही समाज में बहुत से ऐसे लोग भी हैं जिनकी स्वार्थ सिद्धि अगर किसी अपराधी प्रवृत्ति के नेता से हो जाती है तो वह स्वार्थ में अपना जमीर बेचकर दागी नेताओं का भी गुणगान करते हैं ।

वर्तमान समय में बिहार विधानसभा का चुनाव अपने चरम पर है चुनाव कवरेज के उद्देश्य से बक्सर होते हुए पटना तक की यात्रा में एक तरफ प्रशांत किशोर के जनसुराज की चर्चा के साथ अन्य दलों पर लोगों के विचार सुनने को मिले वहीं लौटते समय बक्सर जनपद में ठहराव के समय वहां की विधानसभा सीट पर सीट पर आनंद मिश्र के विधानसभा प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर वहां के युवाओं और प्रबुद्ध जनों में अति उत्साह देखने को मिला वहीं बिहार में अपराधीकरण के लिए बदनाम राजनीति में मोकामा विधानसभा की चर्चा भी इस बात को लेकर है की सभी दलों ने दागी उम्मीदवारों के परिजनों को टिकट दिया है तो बेदाग उम्मीदवारों को कैसे चुना जाएं ?

अयोध्या, मथुरा और काशी की तरह बिहार प्रदेश के बक्सर जनपद का भी आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व है बिहार सहित देश के लोगों की आस्था का केंद्र है बक्सर ,वर्तमान समय में बिहार प्रदेश में विधानसभा चुनाव अपने चरम पर वहां 6 नवम्बर को पहले चरण में ओट पड़ेंगे और 11 नवम्बर को दूसरे चरण का मतदान होगा बक्सर में पहले चरण में मतदान होना है जिसके कारण एक तरफ जहां हल्की–हल्की बारिश हो रही है मौसम ठंडी के तरफ बढ़ता जा रहा है वहीं बक्सर में पहले चरण में मतदान होने के चलते चुनावी सर गर्मी बढ़ती जा रही है वहां के युवाओं में एक अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है युवा उत्साहित है पूर्व आई पी एस अफसर आनन्द मिश्र को भाजपा का उम्मीदवार बनाए जाने से क्योंकि एक तरफ बक्सर के सिटिंग विधायक मुन्ना तिवारी 2015 का चुनाव 10000 के अंतर से जीते थे लेकिन दूसरे चुनाव 2020 में मात्र तीन ही हजार वोट से जीते हैं जिससे प्रतीत होता है कि पहले ही कार्यकाल में वहां की जनता संतुष्ट नजर नहीं आई जिसके चलते मामूली अंतर से ही 2020 का चुनाव जीत पाए लेकिन इस बार के चुनाव में जहां एक तरफ लोग खुलकर मुन्ना तिवारी का विरोध कर रहे हैं वहीं दूसरे तरफ अधिकांश लोग आनंद मिश्र की प्रशंसा करते दिखे

आनन्द मिश्र को लोकप्रियता यूं ही नहीं मिला है वह वास्तव में बहुत सरल स्वभाव और किसी प्रत्याशी पर अनर्गल टिप्पणी नहीं करते जबकि अक्सर चुनाव में कुछ प्रत्याशी अपना पेशेंस खो देते हैं सामने वाले प्रत्याशी की जमानत जप्त करने लगते हैं भले ही उनकी जमानत जप्त हो जाए

वही आनंद मिश्र सदैव इंटरव्यू में शालीनता से उत्तर देते हुए नजर आते हैं इसके पीछे एक बड़ी वजह है उनकी सकारात्मक सोच क्योंकि जो लोग सकारात्मक सोचते हैं वह नकारात्मक बात कभी नहीं करते इसकी साफ झलक आनन्द मिश्र में दिखाई पड़ रही है कुछ अपवाद स्वरूप लोग उनके राजनीतिक अनुभव पर सवाल उठाते हैं उनको इस बात को नहीं भूलना चाहिए की आनंद मिश्र जी शासकीय सेवा में होने के चलते कुशल नेतृत्व का अनुभव उनके पास है तेरह साल के कार्यकाल में निसंदेह उन्होंने विभिन्न जनपदों के तमाम विधानसभाओं और लोकसभा के राजनेताओं तथा जनता के बीच कुशल शासन व्यवस्था चलाने का अनुभव है

इंटरव्यू के दौरान अपनी सकारात्मक बातों को सिद्ध करने के लिए किसी राजनीतिक चेहरे पर नकारात्मक दोषारोपण नहीं करते यह बातें उन्हें अन्य नेताओं से अलग दर्शाती है

बक्सर में चुनावी यात्रा के दौरान वहां के स्थानीय बहुत से लोगों से मिलने का अवसर मिला वह लोग आनंद मिश्र जी में सरदार पटेल का प्रतिबिम्ब देखते हैं और श्री मिश्र को रिकॉर्ड मतों से सदन में भेजने के लिए उत्साहित नजर आये

देखना दिलचस्प होगा 14 नवम्बर 2025 को बक्सर के लोगों का और वहां की युवा तरुणाई का कि अतिउत्साह कौन सा रिकॉर्ड बनायेगा

ऑनर किलिंग पर कैसे लगे रोक..?

– योगेन्द्र योगी–

गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है।

दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्धा ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है ।करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति–आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतर्जातीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतर्जातीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5: है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। यह विरोधाभास एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करता है। ऑनर किलिंग वहाँ नहीं होती जहाँ जातिवाद सबसे ज़्यादा प्रबल होता है, बल्कि वहाँ होती है जहाँ यह सबसे ज़्यादा खध्तरे में है। जिन राज्यों में उत्पीड़ित लोग अभी भी अपनी ष्यथास्थितिष बनाए हुए हैं, वहाँ हिंसा कम होती है, इसलिए नहीं कि जातिवाद मौजूद नहीं है, बल्कि इसलिए कि इसे चुनौती नहीं दी जाती।

संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न रिपोर्टों में ऑनर किलिंग को विश्व में एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताया गया है, जो कि लैंगिक असमानता और पुरुष प्रधान समाजों में गहराई से निहित है। रिपोर्टों के अनुमान के अनुसार, हर साल दुनिया भर में लगभग 5,000 ऑनर किलिंग होती हैं, जिनमें 20: मामले भारत में होते हैं, हालाँकि सटीक आंकड़े अज्ञात हैं क्योंकि सभी देश आधिकारिक डेटा नहीं रखते हैं। ये रिपोर्टें बताती हैं कि यह सिर्फ भारत की ही नहीं, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और यूरोप के देशों सहित अन्य क्षेत्रों की भी एक वैश्विक समस्या है। यह समस्या मुख्य रूप से मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक है, लेकिन बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, मिस्र, भारत, ईरान, इराक, इटली, मोरक्को, पाकिस्तान, स्वीडन, सीरिया, तुर्की, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विभिन्न देशों में भी होती है।

कई देशों में ऑनर किलिंग को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन अक्सर इन कानूनों का पालन नहीं किया जाता है या ये अपर्याप्त हैं। महिलाओं और लड़कियों के अलावा, एलजीबीटी समुदाय के लोग भी ऑनर किलिंग का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्टों में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह समस्या मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और विशेष रूप से भारत में संवैधानिक अधिकारों का हनन करती है। ऑनर किलिंग अन्य प्रकार की लैंगिक–आधारित हिंसा का ही एक रूप है, जैसे कि एसिड अटैक, यातना और अपहरण। भारत में जाति एक दोराहे पर खड़ी है। एक ओर, हम हिंसक प्रतिक्रियाएँ और ऑनलाइन महिमामंडन देख रहे हैं। दूसरी ओर, हम ऑनर किलिंग के खिलाफ मजबूत लोकतांत्रिक आवाजें और सामाजिक मूल्यों से धीरे–धीरे दूर होती एक नई पीढ़ी देख रहे हैं। भारत में जाति और लिंगभेद आधारित समस्या नहीं गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक परिघटना है। जाति केवल इसलिए नहीं टिकती और फलती–फूलती है क्योंकि व्यक्ति उस पर जोर देते हैं, बल्कि इसलिए भी कि परिवार, समुदाय और समूची सामाजिक संरचनाएँ, जानबूझकर या अनजाने में, उसे लागू और वैध बनाती रहती हैं।

महराजगंज महोत्सव 2025 का आगाज बारिश से प्रभावितः कॉलेज मैदान में जलभराव, तैयारियां बाधित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। जिले के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन महराजगंज महोत्सव 2025 का आगाज हो गया है। हालांकि, पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने आयोजन की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज के मैदान में आयोजित इस महोत्सव स्थल पर चारों ओर पानी जमा हो गया है, जिससे लोगों को आने–जाने में परेशानी हो रही है। बारिश के कारण मुख्य मंच, पंडालों और स्टॉलों के आसपास कीचड़ और जलभराव हो गया है।

मैदान के कई हिस्सों में पानी भर जाने से सफाई व्यवस्था भी बिगड़ गई है। कॉलेज परिसर में जगह–जगह कचरा फैलने से महोत्सव में आने वाले आगंतुकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। महराजगंज महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष जिले की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया जाता है। इस वर्ष भी यह तीन दिवसीय आयोजन 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलेगा। महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विज्ञान प्रदर्शनी, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन होना है। जिले भर से कलाकार और दर्शक इस कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचने वाले हैं। लगातार बारिश के कारण आयोजन समिति और प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। जलभराव की स्थिति को देखते हुए सफाई और पानी निकासी के कार्य में तेजी लाई जा रही है। अधिकारी और कर्मचारी मैदान में जुटे हैं ताकि कार्यक्रम में कोई बाधा न आए और महोत्सव का उत्साह बारिश के बावजूद बरकरार रह सके।

रेलवे लाइन प्रभावित लोग 7 नवंबर तक करें दावा

संवाददाता–श्रावस्ती। अपर जिलाधिकारी सक्षम प्राधिकारी, भूमि अध्याप्ति अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने खलीलाबाद–बहराइच नई रेलवे लाइन परियोजना से प्रभावित भूखंड मालिकों से 7 नवंबर, 2025 तक अपने दावे प्रस्तुत करने का आह्वान किया है।यह परियोजना जनपद श्रावस्ती में प्रस्तावित है।

दरअसल पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा प्रस्तावित इस परियोजना के तहत तहसील जमुनहा के नेवरिया, मोहरनिया, सोनवा, हुसैनपुर खुरहरी, अकारा, लखाही खास और बारावा हरगुन गांवों की भूमि अधिक प्रभावित होगी। रेल अधिनियम 1989 की धारा 20ड0 के तहत भूमि अधिग्रहण प्रस्ताव का प्रकाशन भारत के राजपत्र में 9 जुलाई, 2025 को किया गया था। इसके अतिरिक्त, दैनिक जागरण और टाइम्स ऑफ इंडिया समाचार पत्रों में भी यह अधिसूचना 27 जुलाई, 2025 को प्रकाशित हुई थी। उपजिलाधिकारी जमुनहा से संबंधित अभिलेख और विशेषज्ञ विभागों से प्रभावित संपत्तियों की मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त की जा चुकी है। अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा ने प्रभावित व्यक्तियों को सूचित किया है कि वे 7 नवंबर, 2025 को पूर्वाह्न 11रु00 बजे सक्षम प्राधिकारी भूमि अध्याप्ति अपर जिलाधिकारी श्रावस्ती, कलेक्ट्रेट श्रावस्ती (भिनगा) कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दावे प्रस्तुत कर सकते हैं।

खिलाड़ियों संग दौड़े सांसद शशांक मणि, दिया एकता का संदेश

संवाददाता–देवरिया। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शहर के रविंद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह सहित भाजपा पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के साथ दौड़ लगाई। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन से हुई। सांसद शशांक मणि ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। सरदार पटेल की विरासत हमें एकजुट होकर राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देती है। भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों के साथ दौड़ लगाना देश के प्रति एकजुटता और समर्पण का प्रतीक है। यह आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह ने कहा कि सरदार पटेल के आदर्श हमें देशहित में कार्य करने और एकजुट रहने की सीख देते हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय, रन फॉरयूनिटी कार्यक्रम संयोजक राजेश कुमार मिश्र, अभिषेक राय अंकुर, अजय शाही, नीरज शाही, प्रमोद शाही, प्रभाकर तिवारी, रमेश वर्मा, भारती शर्मा, बिंदेश पांडेय, राहुल कुमार, रविशंकर नाथ त्रिपाठी, हंसनाथ यादव, आलोक तिवारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बौद्ध भिक्षु संघ अध्यक्ष का निधन, 10 नवंबर तक होंगे पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन

संवाददाता–कुशीनगर। भिक्षु संघ के अध्यक्ष भदंत एबी ज्ञानेश्वर का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। पार्थिव शरीर दस नवंबर तक कुशीनगर के बर्मी बुद्ध विहार में लोगों के दर्शनार्थ रखा जाएगा। इसके बाद बौद्ध रीति–रिवाजों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। लंबी बीमारी के बाद भदंत ज्ञानेश्वर का निधन शुक्रवार की भोर में हुआ। 90 साल की आयु में भदंत ज्ञानेश्वर लंबी बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें 20 दिन पहले इलाज के लिए लखनऊ के मेदांता में भर्ती करवाया गया था जहां उन्होंने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। उनके निधन से भिक्षु संघ और भक्तों में शोक व्याप्त है। भदंत म्यांमार बुद्ध विहार के पीठाधीश्वर थे।

म्यांमार ने उन्हें म्यांमार का सर्वोच्च सम्मान दिया था। भदंत को म्यांमार सरकार ने अपने सर्वोच्च धार्मिक सम्मान अग्रिध्वजा महारथा गुरु से सम्मानित किया है। यह सम्मान म्यांमार के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों के लिए प्रदान किया जाता है। यह किसी भारतीय को मिलने वाला ऐसा पहला सम्मान है। वे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल कुशीनगर में बौद्ध धर्म के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने भी सोशल मीडिया पर शोक जाहिर किया। साथ ही बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके शोक जताया। उन्होंने लिखा कि परमपूज्य बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के धम्मदीक्षा गुरु पूज्य भदन्त चन्द्रमणि महास्थविर के सुयोग्य उत्तराधिकारी पूज्य भदन्त ज्ञानेश्व महास्थवीर जी, अध्यक्ष, कुशीनगर भिक्खु संघ का लगभग 90 वर्ष की आयु में आज देहावसान हो गया है। देश–विदेश में फैले उनके अनुयायियों में अपार शोक एवं दुःख व्याप्त है। भदन्त ज्ञानेश्वर जी का देहावसान ना केवल बौद्ध जगत के लिए बल्कि मानव समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थवीर जी का सामाजिक, धार्मिक, शैक्षाणिक तथा सांकृतिक क्षेत्र में उनका रहा योगदान अनुकरणीय है। मैं अपनी व पार्टी की तरफ से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

चंद्रशेखर आजाद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि कुशीनगर भिक्खु संघ के माननीय अध्यक्ष पूज्य भंते ज्ञानेश्व महास्थवीर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। कल ही मेरी मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में बात हुई थी कु साथी कह रहे थे कि "पहले से अब कुछ आराम है।" यह सोचकर मन व्यथित है कि आज वे हमारे बीच नहीं रहे। भंते ज्ञानेश्व जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन बुद्ध, धम्म और संघ की सेवा में समर्पित किया। वे करुणा, शील और समानता के जीवंत प्रतीक थे कु उनकी वाणी में ज्ञान, आचरण में अनुशासन और जीवन में अपार करुणा थी। उनके चले जाने से बौद्ध समाज ही नहीं, बल्कि समूचा मानव समाज एक प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व से वंचित हो गया है। उनकी शिक्षाएँ, उपदेश और धम्म की ज्योति सदैव हमारे मार्ग को आलोकित करती रहेंगी। मैं पूरे विश्व में फैले उनके लाखों अनुयायियों और श्रद्धालुओं के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ। प्रकृति हम सभी को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करे। यह क्षति हम सबकी सामूहिक क्षति है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। विनम्र आदरांजलि!

दूरिस्ट बस ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, छह घायल

संवाददाता–बहराइच। ई रिक्शा और तेज रफ्तार टूरिस्ट बस के बीच टक्कर में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शुक्रवार सुबह हुआ जब ई रिक्शा सैयदा बभनी से रामपुर आ रहा था। तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा गया। पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है। मेडिकल कालेज लाए जाने पर तीन गंभीर घायल ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर रामपुर जिले से आ रहे थे रिसिया के सैदा बभनी बहराइच, संवाददाता। नानपारा से रिसिया के सैयदा बभनी आ रहे ई रिक्शा में शुक्रवार भोर में तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने टक्कर मार दी। जिसके चलते ई रिक्शा सवार चालक सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना होते ही चालक वाहन सहित फरार हो गया। ई रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा ।चिकित्सकों ने तीन गंभीर रूप से घायलों की हालत नाजुक बनी देख प्राथमिक इलाज कर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। टैम्पो सवार रामपुर जिले से गांव आ रहे थे। मटेरा थाने के बहराइच रूपईडीहा हाईवे के किशुनपुर माफी के पास शुक्रवार भोर में लगभग पांच बजे तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने टैम्पो में टक्कर मार दी। जिसके चलते टैम्पो सवार रिसिया थाने के सैयदा बभनी निवासी सिराज (38) पुत्र सलीम, उसकी पत्नी अजमेरूल निशा (35), पुत्र गुलफान (14), अजलान (2), बेटी सना (12), चालक अफजल (28) पुत्र अल्ताफ गंभीर रूप से घायल हो गए।

सरदार पटेल जयंती पर 3 किमी दौड़, डीएम–विधायक ने लगाई दौड

संवाददाता–गोण्डा। जिले में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटीके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस 3 किलोमीटर लंबी दौड़ को अंबेडकर चौराहे से क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष अवधेश कमलेश मिश्रा, गोंडा सदर विधायक प्रतीक भूषण और जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ अंबेडकर चौराहे से शुरू होकर गांधी पार्क में समाप्त हुई। कार्यक्रम के समापन पर वंदे मातरम का गायन किया गया और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष, सदर विधायक और जिलाधिकारी द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष, जिलाधिकारी और विधायक स्वयं भी दौड़ में शामिल हुए हाथों में तिरंगा झंडा लेकर इन लोगों ने भी दौड़ लगाई है। हल्की बारिश के बावजूद स्कूली बच्चों सहित आम लोगों ने भी इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई है जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश का सपना तभी साकार होगा जब हम सरदार वल्लभ भाई पटेल के दिखाए मार्ग पर चलेंगे। उन्होंने बताया कि गुजरात के एक छोटे से गांव में जन्मे पटेल भारत के पहले उप प्रधानमंत्री बने और देश के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए।

वहीं, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश कमलेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 के बाद भाजपा सरकार आने से लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत हुई है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कार्यक्रम देश के विकास, एकता और भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मिश्रा ने सभी से स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जिसे श्शमृत कालश की घोषणा के साथ जोड़ा गया है।

वहीं यूपी में भी एसआईआर लागू किए जाने को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि बिहार इसका उदाहरण है कि वहां पर कितने फर्जी वोट थे 2003 में पहली बार यह कार्यक्रम हुआ था। लेकिन उसके बाद इन लोगों ने क्यों नहीं करने दिया इन लोगों से पूछना चाहिए लोकतंत्र में वोट महत्वपूर्ण है इसीलिए वास्तविक कोर्ट पढ़ना चाहिए बोगस वोट नहीं पढ़ना चाहिए।

वहीं एसआईआर का विरोध किए जाने पर क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब लोगों को लगा कि देश विकास की रफ्तार में पड़ रहा है लोग एकजुट हो रहे हैं राष्ट्र के लिए काम कर रहे हैं। तो विरोध करने वाले लोगों की खिचड़ी नहीं पाक पा रही ह जो राष्ट्र विरोधी लोग थे उनकी सरकारी आ नहीं पा रही हैं तो स्वाभाविक रूप से उनका विरोध करना काम है। उनके परिवार के लोग मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री और मंत्री नहीं बन पा रहे हैं इसीलिए उनके पेट में दर्द होना स्वाभाविक है।

सोनौली में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर स्थित सोनौली अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं पारगमन मार्ग पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। यह आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें 22 बटालियन एसएसबी महाराजगंज के अधिकारियों, कर्मचारियों और भारतीय नागरिकों ने एक भारत श्रेष्ठ भारतश एकता मार्च निकाला। सुबह लगभग 11:00 बजे, एफ कंपनी मुख्यालय सोनौली, 22 बटालियन एसएसबी महाराजगंज के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों के साथ मिलकर शपथ ली। इस एकता मार्च का नेतृत्व 22 बटालियन एसएसबी महाराजगंज के सहायक कमांडेंट श्री सी. विवेक ने किया। श्री विवेक ने एसएसबी के सुरक्षा बलों के जवानों और नागरिकों को राष्ट्र की संप्रभुता, शांति और अखंडता बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों को विविधता में एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्री सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान और भारत में राष्ट्र के राजनीतिक एकीकरण एवं एकता को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। एसएसबी कर्मियों और नागरिकों ने एक अखंड भारत के निर्माण के लिए प्रयास करने और महान नेताओं द्वारा परिकल्पित एक गौरवशाली भविष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प लिया।

रात भर शव को कुचलते रहे वाहन, अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया–कसया मार्ग पर गुरुवार देर रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना खनुआ नाला के पास हुई। हादसे में मृतक का शरीर बुरी तरह क्षत–विक्षत हो गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पूरी रात शव सड़क पर ही पड़ा रहा और उस पर से दर्जनों वाहन गुजरते रहे। रातभर किसी ने भी पुलिस को सूचना नहीं दी। शुक्रवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव के अवशेष बिखरे देखे, तब सदर कोतवाली पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो दृश्य अत्यंत विचलित करने वाला था। शव का कोई भी हिस्सा सही सलामत नहीं था। लगातार गुजरते वाहनों के पहियों ने शव को टुकड़ों में बांट दिया था। सड़क पर करीब 200 मीटर तक शव के टुकड़े बिखरे हुए थे। सदर कोतवाली पुलिस ने तत्काल मार्ग पर यातायात रोक दिया और शव के अवशेषों को इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिसकर्मी और सफाईकर्मी बेलचा, झाड़ू और पॉलिथीन की मदद से सावधानीपूर्वक शव के टुकड़ों को एकत्र किया। हादसे के बाद पूरी रात सड़क से ट्रक, बस, कार और बाइक सहित सैकड़ों वाहन गुजरते रहे। किसी भी वाहन चालक ने रुककर व्यक्ति की स्थिति जानने या पुलिस को सूचित करने का प्रयास नहीं किया। सुबह सबसे पहले मौके पर पहुंचे रामबचन यादव ने बताया कि उन्होंने पहले मांस के टुकड़े जानवर के समझे, लेकिन पास जाने पर पता चला कि वे इंसान के शव के अवशेष थे।

अयोध्या वासी रघुवंशी सेवा संस्थान ने की श्रद्धालुओं की सेवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रघुवंशी अयोध्या वासी सेवा संस्थान अयोध्या द्वारा आचार्य पीठ लक्ष्मण किला, सेवा भारती,श्री राम लला गुरुकुल अयोध्या के सहयोग से भारी बारिश के बीच दूर दराज से आए श्रद्धालुओं की सेवा की गई और उनका यथा संभव कुशल डाक्टरों की टीम द्वारा उपचार कर दवा वितरित की गए तथा स्वास्थ्य संबंधी सुझाव दिए गए व भक्तों को चाय वितरित की गईं कार्य क्रम के प्रेरणा स्त्रोत महंत मैथिली रमन शरण जी महाराज (किलाधीश आचार्य पीठ लक्ष्मण किला) तथा पावन सानिध्य संत सूर्य प्रकाश शरण जी महाराज का रहा आचार्य सदाशिव तिवारी जी(राम लला गुरुकुल)ने संस्थान की टीम की सेवा कार्य को देखते हुए सभी को रामरामा भेंट कर सम्मानित किया सेवा कार्य में श्री राम लला गुरुकुल के विद्यार्थी भी श्रद्धा भाव से लगे रहे तथा सेवा भारती से डॉ उपेन्द्र मणि त्रिपाठी (वॉर्डन सिविल डिफेंस कोर अयोध्या महानगर सेवा प्रमुख चिकित्सा)जी का बहुत सहयोग रहा जिन के देख रेख में स्वास्थ विभाग की पूरी टीम सेवा कार्य में लगी रही शिविर में संस्थान के अध्यक्ष लवकुश रघुवंशी, आनंद भट्ट, सूरज, आचार्य प्रियांशु,कंचन वर्मा,उत्तम निषाद, प्रिया मिश्रा, संचित जायसवाल (हरि मेडिकल स्टोर),अंशिका प्रजापति, आशा मौर्या,नेहा जायसवाल, अंजना गौड़, अंशी वर्मा, आकांक्षा मौर्या अन्य लोग उपस्थित रहे।

मंत्री सुरेश राही भरतापुर पहुंचे, नाव हादसे में लापता लोगों के परिजनों से मिले, मदद का आश्वासन दिया

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट क्षेत्र स्थित भरतापुर गांव में बुधवार शाम कौड़ियाला नदी में नाव पलटने से एक महिला की मौत हो गई। इस हादसे में आठ लोग अभी भी लापता हैं, जबकि 13 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई थी।

हादसे के बाद से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें लगातार लापता लोगों की तलाश में अभियान चला रही हैं। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी स्वयं बचाव अभियान की निगरानी के लिए मौके पर मौजूद हैं।

शुक्रवार को प्रदेश के कारागार मंत्री सुरेश राही भरतापुर गांव पहुंचे। उन्होंने लापता लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मंत्री राही ने कहा कि जब तक सभी लापता लोगों को ढूंढ नहीं लिया जाता, तब तक यह अभियान जारी रहेगा।

जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर रहकर बचाव अभियान का निरंतर संचालन करवा रहे हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों से उन्हें शीघ्र ही अन्यत्र विस्थापित करने की मांग की। पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह और उप जिलाधिकारी राम दयाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रशासन की ओर से शुक्रवार दोपहर से पूरे गांव के लोगों के लिए गांव के प्राथमिक विद्यालय में भोजन की व्यवस्था की गई है। ग्राम प्रधान इकरार अंसारी को बचाव दल, प्रशासनिक अमले और स्थानीय ग्रामीणों के लिए भोजन वितरण की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्राम प्रधान ने बताया कि खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) और ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) की ओर से स्थानीय ग्रामीणों और बचाव दल के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है, जिसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई है।

सीजेएम के आदेश पर दारोगा समेत 7 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर रेहराबाजार थाने में एक दारोगा और छह सिपाहियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई 17 माह बाद हुई है। पुलिसकर्मियों पर मारपीट, धमकी देने और अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। यह मुकदमा रेहराबाजार क्षेत्र के मुकदमे में पेहर पुलिस चौकी के तत्कालीन उपनिरीक्षक भूपेंद्र यादव, कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव, विवेक सिंह, अंकित मौर्य, वासुदेव गौर, लाल बहादुर और अर्जुन यादव को नामजद किया गया है। सहजाद ने न्यायालय में दिए अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपने पिता के साथ उतरौला के जुनेदपुर लालगंज में टाइल्स पेंट की दुकान चलाता है। उसने आरोप लगाया कि 13 मई को जब वह कार से अपने भाई को गांव से लाने जा रहा था, तब पेहर पुलिस चौकी के सामने तत्कालीन चौकी प्रभारी भूपेंद्र यादव और अन्य सिपाहियों ने उसकी गाड़ी रोक ली। सहजाद ने बताया कि जब उसने मोबाइल में अपना ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया, तो कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव ने उसका मोबाइल छीन लिया और उसे लाठी–डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे चौकी ले गए, जहां उसे जमीन पर लिटाकर लाठी, बेल्ट और लातों से बेरहमी से पीटा गया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद उसे सीएचसी सादुल्लाहनगर ले जाकर चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। इस दौरान उसे धमकी दी गई कि यदि उसने डॉक्टर को पुलिस द्वारा मारपीट की बात बताई, तो उसे रास्ते में जान से मार दिया जाएगा। सहजाद ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उससे 10 हजार रुपए की मांग की। रुपए न देने पर उसे दोबारा पीटा गया। कॉन्स्टेबल विवेक सिंह पर समुदाय विशेष के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने और देश छोड़ने की धमकी देने का भी आरोप है।

बारिश से धान की फसल को नुकसान

संवाददाता–बहराइच। जिले में बीते तीन दिनों की बारिश किसानों के लिए आफत बन गई है। तेज हवाओं के साथ हुई बरसात से खेतों में खड़ी और कटी हुई धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। कृषि विभाग ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। जनपद में धान की फसल को सर्वाधिक क्षति हुई है। किसान इन दिनों धान की कटाई कर रहे थे, ऐसे में खेतों में पड़ी फसल बारिश की मेंट चढ़ गई। इससे किसानों में काफी निराशा है। महसी तहसील के किसान प्रदीप कुमार ने बताया कि बारिश से उनकी पूरी धान की फसल बर्बाद हो गई है। उन्होंने अपनी मेहनत पर पानी फिरने की बात कहते हुए गेहूं की बुवाई और घर के खर्च को लेकर चिंता व्यक्त की। जिला कृषि अधिकारी सूबेदार यादव के अनुसार, जिले में लगभग 1 लाख 98 हजार हेक्टेयर में धान की फसल बोई जाती है। उन्होंने बताया कि बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। जिसके बाद ही वास्तविक क्षति का आकलन हो पाएगा।

देर रात तक श्रद्धालुओं की सेवा करते रहे अयोध्या के संत महंत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा के दिन मौसम बहुत खराब था खराब मौसम के बावजूद लाखों श्रद्धालुओं ने परिक्रमा की तो वही अयोध्या के संत महंत देर रात तक अयोध्या में परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा करते रहे जब तक की परिक्रमार्थी भी परिक्रमा को बंद नहीं कर दिए। श्री पांचाल विश्वकर्मा सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश दास महाराज के संयोजन में श्रद्धालुओं की सेवा का संकल्प लिया गया जिसमें प्रमुख रूप से सीताकांत सदन के महंत महंत रामानुज ब्रह्मचारी , श्री राम आश्रम के महंत डॉ जय रामदास वेदांती, श्री सरयू कुंज के महंत राम मिलन शरण, जयसवाल मंदिर के महंत श्यामसुंदर दास, गया शरण महाराज, पार्षद प्रतिनिधि प्रियस दास, मनोज पाल, हरिओम सहित अनेकों ट्रस्ट की गण एवं संत महंत 31 अक्टूबर को देर रात तक सेवा की। संतों का मानना था कि दिन में तो बहुत सारे लोग कैंप लगाकर के सेवा कर थे, हम लोग दिन और रात सेवा करेंगे क्योंकि मौसम अनुकूल नहीं है। महंत जयराम दास ने बताया कि रात में ठंड से श्रद्धालु कहां पर रहे थे, ऐसे में दवा और चाय के साथ उनकी सेवा की गई उनको राहत मिली। महंत श्यामसुंदर दास ने बताया कि अयोध्या जीवन काल में मैंने ऐसी कठिन परिक्रमा कभी नहीं देखी थी फिर परिक्रमार्थी पूरे धैर्य के साथ कर रहे थे हम लोग निरंतर उनकी सेवा कर रहे थे। महंत राममिलन दास महाराज ने कहा कि सेवा ही हमारा मुख्य उद्देश्य था, जो हमने परिक्रमा समाप्ति तक की। महंत महेश दास ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष हम लोग सेवा करते हैं लेकिन इस वर्ष श्रद्धालुओं की भी कठिन परीक्षा थी और सेवा करने वाले समाजसेवियों की भी कठिन परीक्षा थी जिसको हम लोगों ने पूरे धैर्य के साथ पूरा किया जिसमें सभी संतो ट्रस्टी गणों का सहयोग रहा मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

'रन फॉर यूनिटी' हाफ मैराथन आयोजित, सरदार पटेल जयंती पर सैकड़ों प्रतिभागियों ने एकता का संदेश दिया

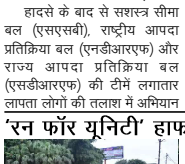

संवाददाता–बलरामपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बलरामपुर इकाई ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी 4.0ः हाफ मैराथन का आयोजन किया। यह दौड़ एम.एल.के. पीजी कॉलेज के दक्षिणी गेट से शुरू होकर शारदा पब्लिक स्कूल से यू–टर्न लेकर वापस एम.एल.के. गेट पर समाप्त हुई। इस आयोजन का उद्देश्य जनपदवासियों को एकता का संदेश देना था।मुख्य अतिथि प्रो. जे. पी. पाण्डेय और अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था। सीनियर बालक वर्ग में वीरेंद्र यादव ने प्रथम, विकास यादव ने द्वितीय और मिंटू यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।सीनियर बालिका वर्ग में दिव्यांशी वर्मा प्रथम, आकांक्षा सिंह द्वितीय और पूजा यादव तृतीय स्थान पर रहीं।

जूनियर वर्ग में पहलवान ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि आयुष तिवारी दूसरे और शिवम तिवारी तीसरे स्थान पर रहे।इस अवसर पर जिला सह प्रमुख अनुज सिंह, बलरामपुर नगर इकाई अध्यक्ष अरुण कुमार, नगर मंत्री कीर्ति उपाध्याय, नगर उपाध्यक्ष डॉ. वसंत कुमार, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. के.के. सिंह, जिला संयोजक अनुराग, जिला सह संयोजक युवराज, खेलो भारत आयाम के नगर संयोजक विशाल पटेल, सौरभ मिश्रा, प्रांत सह सोशल मीडिया संयोजक जयशंकर मिश्रा, विवेक, अनुज, जिला संगठन मंत्री अनुज और अभाविप के पूर्व कार्यकर्ता कुशाग्र सिंह सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

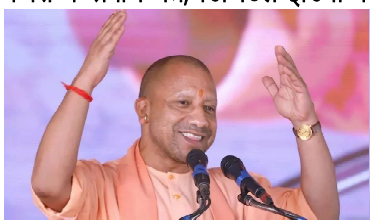

सीएम योगी 1600 विद्यार्थियों को सौंपेंगे सैमसंग इनोवेशन कैंपस के प्रमाण पत्र, डिजिटल इंडिया की ओर मजबूत कदम

संवाददाता–गोरखपुर। उद्योग और सेवा क्षेत्र की मांग के अनुसार अद्यतन व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए सैमसंग इंडिया के सहयोग से संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के 1600 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को शनिवार को प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सीएम योगी से मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाण पत्र वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सैमसंग इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जेबी पार्क तथा इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष विनोद शर्मा की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 1600 से अधिक विद्यार्थी, जिन्होंने सैमसंग इनोवेशन कैंपस के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के सहयोग से तथा स्वदेश (सोशल वेलफेयर एंड डेवलपमेंट फॉर इम्पॉवर्ड सोसाइटी) संस्था द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि सैमसंग इनोवेशन कैंपस जैसी पहलें विश्वविद्यालय के 'स्किल टू एम्प्लॉयमेंट' मिशन को नई गति देती हैं। इसका लाभ हमारे विद्यार्थियों के साथ–साथ क्षेत्र की युवा पीढ़ी को भी मिलेगा। यह गोरखपुर और पूर्वांचल के लिए डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

पूर्वी यूपी पर मोंथा का असर, ठंड ने दो दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश में चक्रवाती तूफान मोंथा का असर लगातार दूसरे दिन भी देखने को मिला। शुक्रवार को आसमान में घने बादल छाए रहे। रुक–रुककर बारिश का दौर जारी रहा। इससे पहले गुरुवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। रिमझिम बारिश हुई। दिन का तापमान रिकार्ड नीचे लुढ़क गया। पिछले 24 घंटे में क्षेत्र में औसतन 24 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही वर्षा से लोगों को शुक्रवार को भी दिन के समय भी ठंड का अहसास हुआ। तापमान सामान्य से कई डिग्री नीचे पहुंच गया।मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस था। यह सामान्य से करीब नौ डिग्री कम दर्ज हुआ। गुरुवार को दिन के गिरे तापमान से पिछले 20 वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया। तापमान में आई इस गिरावट ने लोगों को दीपावली के बाद सर्दी के आगमन का अहसास दिला दिया है।बारिश और ठंडी हवाओं के कारण आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। लोग सुबह और शाम गर्म कपड़े निकालने लगे हैं। स्कूली बच्चों और कामकाजी लोगों को हल्की रिमझिम बारिश के बीच यात्रा करनी पड़ रही है। ग्रामीण इलाकों में खेतों में पानी भरने से फसलों को फिलहाल नुकसान की आशंका नहीं है, पर अगर बारिश का सिलसिला बढ़ा तो दलहनी फसलों पर असर पड़ सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से करीब तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मोंथा तूफान का असर शुक्रवार शाम तक बना रहेगा। शनिवार से आसमान में बादल छटने लगेंगे। इसके बाद मौसम के धीरे–धीरे साफ होने की उम्मीद है।

'रन फॉर यूनिटी' में दौड़ा शहर, डीएम ने दिखाई हरी झंडी डीआईजी बोले– एकता और अखंडता का मिला संदेश

संवाददाता–गोरखपुर। गोलघर के सरदार पटेल प्रतिमा काली मंदिर से प्रारंभ होकर गणेश चौराहा होते हुए कचहरी चौराहा से यूटर्न होकर फिर सरदार पटेल की प्रतिमा काली मंदिर पर संपन्न हुई। इस भव्य आयोजन में खेल विभाग, विद्यालय, महाविद्यालय, एनसीसी, स्काउट, छात्र–छात्राएं, अधिकारी और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा नागरिकों, समाजसेवियों और प्रमुख खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया। सभी प्रतिभागी तिरंगा ध्वज लेकर भव्य रैली में सड़कों पर दिखें, जिससे राष्ट्रीय एकता और सौहार्द का प्रतीक बने। दौड़ की अवधि 30 मिनट की रही जबकि दूरी एक से डेढ़ किलोमीटर की थी।

इसके अलावा थाना रामगढ़ताल क्षेत्र अंतर्गत नौकाविहार पर डीआईजी, जिलाधिकारी गोरखपुर और एसएसपी की ओर से संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर "रन फॉर यूनिटी" कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण, विद्यार्थी और आमजन ने हिस्सा लिया।

इस रनिंग के बाद सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। इस अवसर डीआईजी डा.एस चनप्पा ने कहा– रन फॉर यूनिटी में जिलाधिकारी, एसएसपी, पुलिसकर्मी के साथ तमाम नागरिकों ने हिस्सा लिया। दौड़ लगा कर एकता और अखंडता का संदेश दिया। कोतवाली थाने में भी आयोजन इसके अलावा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कोतवाली थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने रन फॉर यूनिटी में हिस्सा लिया। और कोतवाली थाने से दौड़ लगाते हुए घोष कंपनी शास्त्री चौक टाउन हॉल होते हुए थाने तक दौड़ लगाई।

रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम से निकली रैली वहीं रीजनल स्पोर्टस स्टेडियम में भी इसका आयोजन किया गया। जो स्टेडियम से प्रारम्भ होकर सरदार वल्लभ भाई पटेल चौराहा काली मंदिर, लाल बहादुर शास्त्री चौराहा, डॉ० भीम राव अंबेडकर चौराहा, बीर बहादुर सिंह चौराहा, सीटी माल,राम प्रसाद बिस्मिल पार्क होते हुए रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में समाप्त हुआ।

कार्यक्रम स्थल के आसपास मेडिकल टीम और एम्बुलेंस भी मुस्तैद रही। इसके अलावा प्रतिभागियों के लिए पीने के पानी, ग्लूकोज और नाश्ते का प्रबंध भी किया गया। इतना ही नहीं दौड़ के रास्ते पर यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मी भी तैनात रहें।

दुष्कर्म और अश्लील वीडियो मामले में आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने एक युवती से दुष्कर्म और अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी देवीशरन शर्मा पुत्र दिनेश शर्मा को 31 अक्टूबर 2025 को गोरखपुर से पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के अभियान के तहत धनघटा थाना पुलिस ने की। पीड़िता ने 16 अक्टूबर 2025 को धनघटा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। साक्ष्य जुटाने के बाद, धनघटा पुलिस ने मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की संबंधित धाराएं बढ़ाईं।

गुमशुदा 140 मोबाइल बरामद पुलिस ने धारकों को सौंपे, टीम को बधाई मिली

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस की सर्विलांस टीम और थानों के पुलिसकर्मियों ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने 140 गुमशुदा मोबाइल बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये है। शुक्रवार को खलीलाबाद पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने इन मोबाइलों को उनके वास्तविक धारकों को सौंपा।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी धनघटा व सर्विलांस सेल प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में हुई। जनपद के सर्विलांस सेल के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी, जिसमें हेड कांस्टेबल रामललित, कांस्टेबल ज्ञान प्रकाश सिंह, कांस्टेबल अमरजीत मौर्य और कांस्टेबल नीतिश कुमार शामिल थे। इस टीम और जिले के समस्त थानों पर नियुक्त पुलिसकर्मियों की कड़ी मेहनत से संतकबीरनगर सहित अन्य जनपदों से कुल 140 मोबाइल बरामद किए गए। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित मोबाइल धारकों को एक–एक करके उनके मोबाइल सुपुर्द किए। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि चोरी या गुम हुए मोबाइल की शिकायत सीईआईआर की वेबसाइट पर दर्ज करके आईएमईआई ब्लॉक्ड्रेस किया जा सकता है।

शिकायत दर्ज करने के लिए मोबाइल धारक का आधार कार्ड, मोबाइल का बिल, संबंधित थाने में दर्ज गुमशुदगी की कॉपी, मोबाइल धारक का विवरण, गुम हुए मोबाइल का सिम नंबर, आईएमईआई नंबर और मॉडल नंबर की आवश्यकता होती है।

डीएम ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने शुक्रवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लगभग तीन घंटे तक अस्पताल के विभिन्न विभागों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, सामान्य वार्ड, पैथोलॉजी, एसएनसीयू और एआरटी सहित कई विभागों का दौरा किया। उन्होंने मरीजों से मिलकर अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि अस्पताल में मरीजों को अच्छी सुविधाएं मिल रही हैं और यहां अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने एसएनसीयू और एआरटी विभागों के कामकाज की भी सराहना की और ब्लड सैंपलिंग को संतोषजनक बताया। हालांकि, उन्होंने कुछ सुधारात्मक कमियों की ओर भी इशारा किया। जिलाधिकारी ने डॉक्टरों के कार्य व्यवहार में सुधार लाने और उन्हें समय पर ड्यूटी पर आने–जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर दिया कि मरीज अपनी समस्याओं के साथ अस्पताल आते हैं और वे कुंठित हो सकते हैं। इसलिए, डॉक्टरों और कर्मचारियों को उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार रखना चाहिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को भी इस संबंध में निर्देश दिए।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी', लगाई दौड़, एकता का संदेश दिया गया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शुक्रवार को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन प्रांगण से शुरू हुई इस दौड़ में युवाओं, पुलिस कर्मियों, एनसीसी कैडेटों, स्कूली छात्र–छात्राओं और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना था।

भाजपा प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ पुलिस लाइन से लोहिया भवन, कलेक्ट्रेट चौराहे से होते हुए पटेल नगर तिराहे तक पहुंची। यहां प्रतिभागियों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश् और श्देश की एकता हमारा संकल्पश जैसे नारे लगाए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहाकि पटेल ने अपनी इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से 562 रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत का निर्माण किया था।

उन्होंने यह भी बताया कि 31 अक्टूबर को हर वर्ष पटेल जयंती मनाई जाती है, लेकिन यह वर्ष विशेष है क्योंकि यह उनकी 150वीं जयंती है। उन्होंने बताया कि इसी सम्मान में देशभर में 20 नवंबर तक पदयात्राएं, रैलियां और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सरदार पटेल के महान योगदान से परिचित कराना है। डीएम ने कहाकि सरदार पटेल ने एकजुट भारत का सपना देखा था। आज हम सब मिलकर वही संदेश दे रहे हैं कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता सर्वोपरि है। यह कार्यक्रम केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का संकल्प है। जिले भर के थानों, तहसीलों और ब्लॉकों पर भी एकता रैलियां निकाली गईं। इन आयोजनों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने शांति, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

कूली बच्चों और आमजन ने दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय एकता दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर जनपद पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों में एकता के लिए दौड़ का आयोजन किया। इसमें पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, स्कूली बच्चे और आमजन शामिल हुए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति नागरिकों की प्रतिबद्धता को मजबूत करना था। दौड़ की शुरुआत पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारे लगाते हुए राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की रियासतों को एक सूत्र में बांधकर एक मजबूत और अखंड भारत की नींव रखी। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भारत की शक्ति उसकी एकता में निहित है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'रन फॉर यूनिटी' दौड़, पुलिस–प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता–संतकबीरनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर श्रन फॉर यूनिटीश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, पुलिस–प्रशासन के अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

यह दौड़ समय माता मंदिर से शुरू होकर मेंहदावल बाईपास तक आयोजित की गई। इसमें पुलिस विभाग के प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षी, होमगार्ड्स, एनसीसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने एक भारत– श्रेष्ठ भारत और एकता में ही शक्ति है जैसे नारों के साथ देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया। खलीलाबाद जूनियर हाईस्कूल से रन फॉर यूनिटी के तहत दौड़ कार्यक्रम में

कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक नाथ त्रिपाठी, सदर विधायक अंकुर राज तिवारी, विधायक गणेश चौहान, विधायक अनिल त्रिपाठी और जिलाध्यक्ष नीतू सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर रैक फॉर यूनिटी से भाजपा ने एकता का संदेश दिया है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने अदम्य साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर भारत की अखंडता को सशक्त किया। उन्होंने लोगों से देश की एकता, अखंडता और भाईचारे की भावना को सदैव बनाए रखने की अपील की।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

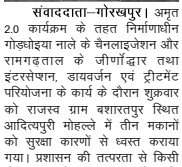

वाद सं0–1584 / 2022

कंप्यवाद सं0 D 202317633331584

धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी न्यायिक महोदय सिद्धार्थनगर

मो0 शमी

बनाम

सरकार आदि

बावत मौजा सेखदुईया तप्पा डबरा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

1. मो0 रफीक पुत्र भीखुल्लाह 2. अब्दुल सलाम 3. अब्दुल मोवीन पुत्रगण शब्बीर हसन 4. अब्दुल मन्नान पुत्र अब्बास 5. श्रीमती नजरून्निशा पत्नी मो0 जमील 6. अब्दुल सलाम पुत्र शब्बीर हसन 7. जुगराफिया पत्नी शब्बीर हसन 8. तहमुल्लाह पुत्र मुस्तकीम समस्त साकिनान मौजा सेखदुईया तप्पा डबरा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 06–11–2025

वाजेह हो कि आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

केएम शुगर मिल बीजीएम का शव फंदे पर मिला

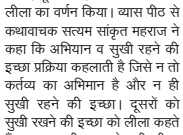

संवाददाता–अयोध्या। जिले के मसौधा क्षेत्र स्थित केएम शुगर मिल में उस समय हड़कंप मच गया जब मिल के बीजीएम महेश कुमार सोने 52 वर्ष का शव उनके आवास में फंदे से लटका मिला। चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया। यह घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, हमीरपुर निवासी महेश कुमार सोने, पुत्र लक्ष्मी नारायण सोने, लंबे समय से केएम शुगर मिल में बीजीएम के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार को मिल परिसर स्थित उनके आवास में उनका शव संदिग्ध अवस्था में पाया गया। सूचना मिलते ही कर्मचारियों में अफरा–तफरी मच गई और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक का परिवार भी मिल परिसर के अंदर ही निवास करता है। सूत्रों के मुताबिक, घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को प्रारंभ में नहीं दी गई थी। बाद में जब मामला प्रकाश में आया, तो पुलिस को सूचित किया गया। पूरा कलंदर थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि कोतवाली नगर पुलिस द्वारा शव का पंचायतनामा भरा जा रहा है और पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही कराई जा रही है। प्रभारी निरीक्षक ने यह भी बताया कि अब तक मृतक के परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई तहरीर प्राप्त होती है, तो पुलिस जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगी।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–515 / 2025

रामू आदि

बनाम

खेदूराम आदि

1. खेदूराम पुत्र दयाराम 2. रामभरत पुत्र दयाराम 3. रमेश पुत्र गुड्डू 4. रामपाल उर्फ वाले पुत्र गुड्डू 5. राम दुलारी पत्नी खेदराम साकिनान मौजा करनपुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–12–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज के जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

गोड़धोइया नाला में बाधा बने तीन मकान गिराए गए

संवाददाता–गोरखपुर। अमृत 2.0 कार्यक्रम के तहत निर्माणाधीन गोड़धोइया नाले के चैनलाइजेशन और रामगढ़ताल के जीर्णोद्धार तथा इंटरसेप्शन, डायवर्जन एवं ट्रीटमेंट परियोजना के कार्य के दौरान शुक्रवार को राजस्व ग्राम बशारतपुर स्थित आदित्यपुरी मोहल्ले में तीन मकानों को सुरक्षा कारणों से ध्वस्त कराया गया। प्रशासन की तत्परता से किसी भी प्रकार की जान–माल की हानि नहीं हुई। शुक्रवार की सुबह 12 बजे के करीब उत्तर प्रदेश जलनिगम नगरीय, तहसील प्रशासन और पुलिस बल की मौजूदगी में पोकलेन के शार्ट बूम और लांग बूम की मदद से नाले में निर्माण को गिराया गया। उसके बाद सफाई का काम जारी है। असल में 15 अक्तूबर की शाम आदित्यपुरी में खोदाई के दौरान लवकुश सिंह, मनोज उपाध्याय, जगदीश उपाध्याय के मकान की दीवार में दरार आई है।

तीनों लोगों का मकान नाला से सटे 15 वर्ग फीट में शेष बचा था। यह क्षति कभी इसलिए हुई क्योंकि इनके मकान का प्रभावित हिस्सा एक साल पहले तोड़ा गया था, लेकिन इन लोगों ने तोड़े गए हिस्से में मकान की बीम नहीं काटी थी। लोहे का गार्ड लगा जब जल निगम कर्मियों ने काम शुरू किया तो जेसीबी बीम से टकरा गई, इस कारण मकान में दरार आ गई। जल निगम का दावा है कि दरार आने पर 15 अक्तूबर को मकान खाली करा लिए गए। हालांकि बंगाल की खाड़ी में उठे 'मोंथा' तूफान के कारण लगातार तीन दिन से हो रही बारिश से दरारें बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने शुक्रवार को संबंधित भवन स्वामियों को अनुग्रह व अनापत्ति प्रदान कर मकानों को राजस्व टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त करा दिया। बारिश थमने पर शेष हिस्सों पर युद्धस्तर पर दोबारा शुरू होगा निर्माण तकरीबन 495.24 करोड़ रुपये की गोड़धोइया नाला परियोजना में 75 फीसदी निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। अब तक 09.25 किमी की कुल लंबाई में से 7.3 किमी नाला निर्माण किया जा चुका है। इसके अलावा 17.95 किमी इंटरसेप्टिंग सीवर लाइन के सापेक्ष 5.8 किमी सीवर लाइन डाई जा चुकी है। 38 एमएलडी एसटीपी का 80 फीसदी, 61 एमएलडी एमपीएस का 70 फीसदी निर्माण किया जा चुका है।

परियोजना की ओवरआल प्रगति 75 फीसदी है।

दूसरे को सुखी रखने की इच्छा ही लीला हैं– सत्यम सांकृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

(कुदरहा) बस्ती। कुदरहा विकास क्षेत्र के छरदही गांव में चल रही नौ दिवसीय संगीतमयी भागवत कथा के छठे दिन भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला, पूतना वध, गोवर्धन धारण की लीला का वर्णन किया। व्यास पीठ से कथावाचक सत्यम सांकृत महराज ने कहा कि अभियान व सुखी रहने की इच्छा प्रक्रिया कहलाती है जिसे न तो कर्तव्य का अभिमान है और न ही सुखी रहने की इच्छा। दूसरों को सुखी रखने की इच्छा को लीला कहते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने यही लीला की जिससे समस्त गोकुल वासी सुखी और संपन्न थे। उन्होंने कहा कि माखन चोरी करने का आशय मन की चोरी से है कन्हैया ने भक्तों की मन की चोरी की। उन्होंने तमाम बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए उपस्थित श्रोताओं को वात्सल्य प्रेम में सराबोर कर दिया। उन्होंने बताया कि भगवान हमेशा लोगों का कल्याण करते हैं। पूतना ने श्री कृष्ण को स्तनपान करा विष पिलाया, और भगवान ने उसे अपनी मां का स्थान दे। इसी प्रकार कार्तिक माह में बृजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन कार्यक्रम की तैयारी करते हैं परंतु भगवान कृष्ण उनको इंद्र की पूजा करने से मना कर देते हैं और गोवर्धन की पूजा करने के लिए कहते हैं। यह सुनकर भगवान इंद्र नाराज हो जाते हैं और गोकुल को बहाने के लिए भारी वर्षा करते हैं। भारी वर्षा को देखकर भगवान कृष्ण कनिष्ठ अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर सभी लोगों को उसके नीचे छुपा लिए। कथा में यजमान हरेंद्र प्रसाद दुबे, निर्मला देवी, सोनी तिवारी, रेखा मिश्रा, मोनी शुक्ला, उर्मिला पांडे, निर्मला मिश्रा, जंग बहादुर गौड, महेश्वरम, आनंद मिश्रा, सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com